

क्या परमेश्वर एक व्यक्ति है?

परमेश्वर के बारे में प्रश्न

हाँ, परमेश्वर एक व्यक्ति है। परन्तु, जब हम कहते हैं कि परमेश्वर एक "व्यक्ति" है, तो हमारा अर्थ यह नहीं होता है कि वह एक मानवीय प्राणी है। हमारा अर्थ यह है कि परमेश्वर के पास "व्यक्तित्व" है और वह आत्म-जागरूकता के साथ एक तर्कसंगत प्राणी है। धर्मविज्ञानी अक्सर व्यक्ति को "एक व्यक्तिगत् प्राणी जिस के साथ मन, भावनाओं और इच्छा है, के साथ परिभाषित करते हैं।" परमेश्वर के पास निश्चित रूप से बुद्धि है (भजन 139:17), भावनाएँ हैं (भजन संहिता 78:41), और स्वेच्छा है (1 कुरिन्थियों 1:1)। इसलिए, हाँ, परमेश्वर एक व्यक्ति है।

कोई भी व्यक्ति के व्यक्तित्व पर सन्देह नहीं करता है, और मनुष्य परमेश्वर के स्वरूप पर रचा गया है (उत्पत्ति 1:26-27)। बाइबल के माध्यम से, व्यक्तिगत् सर्वनाम वह, उसे, और उसका परमेश्वर के लिए उपयोग किए जाते हैं।

बाइबल शिक्षा देती है परमेश्वर तीन व्यक्तित्वों: पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में विद्यमान है। परमेश्वर की त्रि-एकता पर विचार करना एक कठिन अवधारणा है, परन्तु इसका प्रमाण बाइबल में मिलता है। यशायाह 48:16 और 61:1 में, पुत्र, पिता और पवित्र आत्मा के सन्दर्भ में बोल रहा है (इसकी तुलना लूका 4:14-19 के साथ करें)। मत्ती 3:16-17 यीशु के बपतिस्मा का वर्णन करता है। परमेश्वर पवित्र आत्मा परमेश्वर पुत्र के ऊपर उतरता है

जबकि पिता अपनी प्रसन्नता की घोषणा पुत्र में करते हैं। मत्ती 28:19 और 2 कुरिन्थियों 13:14 त्रिएकत्व में तीन भिन्न व्यक्तियों के होने के बारे में भी बात करते हैं।

परमेश्वर पिता एक मन (यशायाह 55:8-9), भावनाओं (भजन संहिता 78:40), और इच्छा (1 पतरस 2:15) के साथ मिलकर बना हुआ एक व्यक्ति है। परमेश्वर पुत्र एक मन (लूका 2:52), भावनाओं (यूहन्ना 11:35), और इच्छा (लूका 22:15) के साथ मिलकर बना हुआ एक व्यक्ति है। परमेश्वर पवित्र आत्मा एक मन (रोमियों 8:27), भावनाओं (इफिसियों 4:30), और इच्छा (गलातियों 5:17) के साथ मिलकर बना हुआ एक व्यक्ति है। त्रिएकत्व के तीनों व्यक्तित्वों में परमेश्वर के सभी गुण पाए जाते हैं (यूहन्ना 6:37-40; 8:17-25; कुलुस्सियों 1:13-20; भजन संहिता 90:2; 139:7-10; अय्यूब 42:2; 1 कुरिन्थियों 2:9-11; इब्रानियों 9:14)।

परमेश्वर अपने व्यक्तिगत स्वभाव को दिखाता है कि वह क्रोध व्यक्त करता है (भजन संहिता 7:11), हँसता है (भजन संहिता 2:4), करुणामयी है (भजन संहिता 135:14), प्रेम करता है (1 यूहन्ना 4:8), घृणा करता है (भजन संहिता 11:5), शिक्षा देता है (यूहन्ना 14:26), ताड़ना देता है (यूहन्ना 16:8), और मार्गदर्शन देता (रोमियों 8:14)। ये सभी कार्य इस तथ्य को दर्शाते हैं कि परमेश्वर एक व्यक्ति है।

ml

www.GotQuestions.org · <https://www.gotquestions.org/Hindi> · © Copyright
Got Questions Ministries · questions@gotquestions.org